वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 328 रविवार 3 मई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नगर निगम की बड़ी पहल

गुलाबी नगरी की दीवारों पर उकेरी जा रही स्वच्छता की इबारत: 'रंग दे गुलाबी' अभियान शुरू

500 से अधिक दीवारों पर सतरंगी संदेश: कलेक्टर और विद्यार्थियों ने साथ मिलकर थामी तूलिका

मुख्यधारा में ट्रांसजेंडर: जयपुर की सुंदरता में दे रहे योगदान...

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान की राजधानी और विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल जयपुर को स्वच्छता सर्वेक्षण में अव्वल स्थान दिलाने और शहर के सौंदर्य को निखारने के लिए नगर निगम ने एक महा-अभियान का शंखनाद किया है।

'रंग दे गुलाबी' नामक इस विशेष अभियान के तहत एक ही दिन में शहर की 500 से अधिक सार्वजनिक दीवारों पर सुंदर और प्रेरणादायक पेंटिंग बनाई जा रही हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य न केवल शहर को विजुअल रूप से सुंदर बनाना है, बल्कि कला के माध्यम से आम नागरिकों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना भी है। अभियान की औपचारिक शुरूआत नगर निगम के मालवीय नगर जोन से हुई, जहां प्रशासनिक अमले और आम जनता का उत्साह देखने लायक था। इस अवसर पर जिला कलेक्टर संदेश नायक और नगर निगम कमिश्नर ओम कसेरा स्वयं मैदान में उतरे। दोनों उच्च अधिकारियों ने स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ मिलकर दीवार पर पेंटिंग बनाई और उनका उत्साहवर्धन किया। अधिकारियों की इस सक्रियता ने युवाओं में नया जोश भर दिया। इसके पश्चात प्रशासनिक दल गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहा पहुँचा, जहाँ अभियान का एक बेहद मानवीय और समावेशी चेहरा सामने आया। यहाँ ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्य बड़ी संख्या में एकत्रित होकर शहर की दीवारों को रंगने में जुटे थे। ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों ने इस पहल पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके लिए केवल एक पेंटिंग अभियान नहीं, बल्कि सम्मान के साथ मुख्यधारा से जुड़ने का एक बड़ा अवसर है। समुदाय के प्रतिनिधियों ने सरकार और नगर निगम प्रशासन का आभार जताते हुए कहा, ''हमें पहली बार इस तरह के सार्वजनिक कार्य में सक्रिय रूप से शामिल किया गया है। अब तक समाज हमें एक अलग नजरिए से देखता था, लेकिन इस जिम्मेदारी ने हमें गौरवान्वित महसूस कराया है। हम खुश हैं कि हम अपनी गुलाबी नगरी को सुंदर बनाने में अपना योगदान दे पा रहे हैं।''

कमिश्नर ने आगे कहा कि जिस गति से काम चल रहा है, उसे देखते हुए यह तय है कि हम 500 दीवारों के अपने निर्धारित लक्ष्य को भी पार कर लेंगे। इस अभियान ने जयपुर को एक नई ऊर्जा दी है, जहाँ प्रशासन, विद्यार्थी और हाशिए पर रहने वाले समुदाय एक साझा लक्ष्य के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं। आने वाले दिनों में ये रंगीन दीवारें जयपुर की नई पहचान बनेंगी।

एक जागरूक और स्वच्छ शहर का जीवंत संदेश: कलेक्टर नायक

कलेक्टर संदेश नायक ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि जयपुर की ये दीवारें अब महज ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं, बल्कि एक जागरूक और स्वच्छ शहर का जीवंत संदेश देंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये पेंटिंग्स स्थानीय निवासियों को कचरा न फैलाने के लिए प्रेरित करेंगी और साथ ही जयपुर आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों के मन में शहर की एक हरित और स्वच्छ छवि अंकित करेंगी।

खराब मौसम और बूंदाबांदी भी कम नहीं कर पाई उत्साह: ओम कसेरा

नगर निगम कमिश्नर ओम कसेरा ने इस अभियान की सफलता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मुख्यमंत्री के 'स्वच्छ राजस्थान-स्वस्थ राजस्थान' के विजन को धरातल पर उतारने के लिए जन-सहभागिता को इस अभियान की रीढ़ बनाया गया है। उन्होंने कहा, ''आज सुबह से मौसम खराब होने और हल्की बूंदाबांदी के बावजूद लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। शहर के अलग-अलग कोनों में हजारों लोग अपनी तूलिका से स्वच्छता का संदेश लिख रहे हैं। यह जन-आंदोलन इस बात का प्रतीक है कि जयपुरवासी अपने शहर को सुंदर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' कमिश्नर ने आगे कहा कि जिस गति से काम चल रहा है, उसे देखते हुए यह तय है कि हम 500 दीवारों के अपने निर्धारित लक्ष्य को भी पार कर लेंगे। इस अभियान ने जयपुर को एक नई ऊर्जा दी है।

भारत विकास परिषद वैशाली शाखा द्वारा बालिका गृह में सेवा कार्य,

35 बालिकाओं को यूनिफॉर्म व गिफ्ट हैम्पर वितरित

जयपुर।

भारत विकास परिषद, वैशाली शाखा की ओर से शाखा सदस्य श्रीमती राखी सक्सेना द्वारा Rays – आशा की किरण बालिका गृह, 46, शिव शक्ति नगर, निर्माण नगर, जयपुर में निवासरत 35 बालिकाओं को स्कूल यूनिफॉर्म एवं गिफ्ट हैम्पर प्रदान कर उनका सम्मान एवं सहयोग किया गया।

इस सेवा कार्य के माध्यम से बालिकाओं को प्रोत्साहन देने का सराहनीय प्रयास किया गया, जिससे उनके चेहरों पर खुशी और उत्साह देखने को मिला।

> इस सेवा कार्य का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना और उनके उज्ज्वल भविष्य में सहयोग प्रदान करना है।
> – भारत विकास परिषद

सभी उपस्थित सदस्यों ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई और बालिकाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। भारत विकास परिषद, वैशाली शाखा द्वारा किए जा रहे ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित रहे

- श्री मनोज कुमार मित्तल (प्रांत स्तर)
- गुंजन सक्सेना (शाखा संरक्षक)
- चेनाराम सेपेट (शाखा सचिव)
- आशीष शर्मा (कोषाध्यक्ष)
- शीला शर्मा (महिला सहभागिता प्रमुख)
- अनिल जैन (उप सचिव)
- मंजू गोयल (प्रकल्प प्रमुख)
- माया शर्मा
- डॉ. मंजू लता मित्तल सहित अन्य सदस्यगण

श्री राम पशु-पक्षी गौ सेवा संस्थान की 13वीं प्याऊ का विधि-विधान से उद्घाटन

भीषण गर्मी में आमजन को राहत, दौसा शहर में 13 स्थानों पर ठंडी प्याऊ संचालित

दौसा. शाबाश इंडिया

श्री राम पशु-पक्षी गौ एवं जन सेवा संस्थान, दौसा द्वारा एक और नई प्याऊ का विधि-विधान से शुभारंभ किया गया। प्याऊ का उद्घाटन संस्थान के अध्यक्ष मथुरेश बिहारी जायसवाल एवं महासचिव मनीष बंसल ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर संस्थान के मुख्य संरक्षक एवं संस्थापक घनश्याम जायसवाल 'गुरुजी' ने बताया कि संस्थान द्वारा अब तक कुल 13 स्थानों पर ठंडी प्याऊ संचालित की जा रही हैं, जहां आमजन को निरंतर ठंडा एवं मीठा पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन प्याऊ पर बर्फ सहित मीठे पानी की व्यवस्था की जाती है, जिससे हजारों लोग इस भीषण गर्मी में राहत पा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यह सेवा कार्य पिछले 4 वर्षों से लगातार 24 घंटे, 12 महीने संचालित किया जा रहा है। संस्थान के मीडिया प्रभारी कवि कृष्ण कुमार सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान जनसेवा के साथ-साथ पशु-पक्षी एवं गौ सेवा के क्षेत्र में भी सक्रिय है। इसके अंतर्गत प्रतिदिन गौशालाओं एवं बेसहारा पशुओं के लिए हरा चारा, सब्जियां, पानी एवं उपचार की व्यवस्था की जाती है। वहीं पक्षियों के लिए दाना-पानी तथा गर्मियों में बड़े स्तर पर परिंडे लगाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त बंदरों के लिए फल, रोटियां व भुने चने, मछलियों के लिए दाना, जरूरतमंद एवं अनाथ बालिकाओं के विवाह में सहयोग तथा दौसा से खाटू श्याम मासिक बस यात्रा जैसी सेवाएं भी नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि यह सभी सेवा कार्य आमजन के सहयोग से ही संभव हो पा रहे हैं। इस अवसर पर राजेश शर्मा, महेंद्र जायसवाल, कवि कृष्ण कुमार सैनी, राजेंद्र सैनी, राकेश अग्रवाल, मुकेश गुप्ता, दीपक कट्टा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जीवन की अनन्त पीड़ाओं के मध्य सुख, शान्ति, प्रेम और प्रसन्नता का मिलना मानो परमात्मा का संदेश है "मैं तुम्हारे साथ हूं, फिर तुम क्यों परेशान हो रहे हो?"

आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

परतापुर, बांसवाड़ा (राजस्थान)। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ इन दिनों परतापुर, बांसवाड़ा में विराजमान हैं। उनके सानिध्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम निरंतर सम्पन्न हो रहे हैं।

इसी क्रम में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा...

''वास्तव में वह जीवन ही क्या, जिसमें सुख, शान्ति, प्रेम और प्रसन्नता न हो। इनके बिना जीवन वैसा ही है जैसे सुगन्ध के बिना गुलाब, स्वाद के बिना भोजन, डॉक्टर के बिना अस्पताल और ब्रेक के बिना साइकिल–सब व्यर्थ हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि हम सुख, शान्ति, प्रेम और प्रसन्नता के साथ क्यों नहीं जी पा रहे हैं, इसका मुख्य कारण हमारी बलवती इच्छाएँ और आत्मविश्वास का अभाव है। ''मनुष्य के पास सबसे बड़ी शक्ति आत्मविश्वास है। आत्मबल सभी बलों का राजा है। प्रायः हम अपनी इच्छाओं की अपूर्णता या अर्थ की कमी के कारण अपने अच्छे-खासे जीवन को बोझ बना लेते हैं। जो हमारे पास है, उससे हम संतुष्ट नहीं हैं और जो नहीं है, उसी के दुःख में अपना जीवन व्यर्थ कर रहे हैं।''

आचार्य श्री ने प्रकृति का उदाहरण देते हुए कहा...

''नदी, संत, सरिता, सूर्य और पेड़-पौधे–ये सभी देने में विश्वास रखते हैं, इसलिए सदैव प्रसन्न रहते हैं। वहीं मनुष्य संग्रह वृत्ति के कारण अपना जीवन दुःखमय बना रहा है, जबकि अंततः सब कुछ यहीं छोड़कर जाना है।''

पुण्यतिथि : 03 मई

हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्री सुजानमल जी जैन (गोधा)

06.10.1928 – 03.05.2020

पूज्य पिताजी की स्मृति में श्रद्धा सुमन

अश्विनी-मधु (पुत्र-पुत्रवधू)
अंशुल-पूर्वा, रोहन-सलोनी (पौत्र-पौत्रवधू)
अद्विक, रूचिर (पड़पौत्र)

नेमी सागर कॉलोनी, जयपुर

संघीजी सांगानेर में महिला संगठन का भव्य आयोजन

जयपुर | शाबाश इंडिया

आदिनाथ भगवान को छत्र चढ़ाकर की सफलता की कामना

गणिनी पमुख आर्यिका शिरोमणि श्री 105 ज्ञानमती माताजी के पावन आशीर्वाद एवं प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका 105 श्री चंदनामति माताजी की पावन प्रेरणा से, राष्ट्रीय महामंत्री सारिका बिलाला के निर्देशन में अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महिला संगठन, जयपुर महानगर द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

महिला संगठन जयपुर महानगर की अध्यक्ष सुश्री रीमा गोधा के नेतृत्व में यह कार्यक्रम श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, संघीजी सांगानेर में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ सांगानेर वाले बाबा 1008 श्री आदिनाथ भगवान को छत्र अर्पित कर संगठन की सफलता की कामना के साथ किया गया। इस दौरान **"सांगानेर वाले बाबा की जय"** एवं **"जय-जय गुरुमां"** के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा।

> **"सांगानेर वाले बाबा की जय" एवं "जय-जय गुरुमां" के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा।**

इस अवसर पर महिला संगठन की सभी सदस्याएं पीले परिधान में उपस्थित रहीं और उन्होंने सामूहिक रूप से नमोकार महामंत्र का जाप किया। इसके पश्चात पंच परमेष्ठी भगवान एवं मूलनायक अतिशयकारी भगवान आदिनाथ की भव्य आरती की गई।

कार्यक्रम की प्रमुख झलकियां

- श्री आदिनाथ भगवान को छत्र अर्पित कर संगठन की सफलता की कामना
- सभी बहनों द्वारा सामूहिक नमोकार महामंत्र का जाप
- पंच परमेष्ठी भगवान एवं मूलनायक अतिशयकारी भगवान आदिनाथ की भव्य आरती
- सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का तिलक, बैचयुक्त दुपट्टा पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन

अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महिला संगठन, जयपुर महानगर इकाई द्वारा अखिल भारतीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन बड़जात्या एवं उनकी धर्मपत्नी अनीता बड़जात्या का साफा एवं दुपट्टा ओढ़ाकर विशेष सम्मान किया गया।

पावन आशीर्वाद

गणिनी प्रमुख आर्यिका शिरोमणि 105 श्री ज्ञानमती माताजी

पावन प्रेरणा

प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका 105 श्री चंदनामति माताजी

दुपट्टा पहनाकर सम्मानपूर्वक स्वागत

कार्यक्रम में अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महिला संगठन, जयपुर महानगर के सभी पदाधिकारियों एवं साधारण सदस्यों का तिलक लगाकर तथा संगठन का बैचयुक्त दुपट्टा पहनाकर सम्मानपूर्वक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इसके साथ ही अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महिला संगठन, जयपुर महानगर इकाई द्वारा अखिल भारतीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन बड़जात्या एवं उनकी धर्मपत्नी अनीता बड़जात्या का साफा एवं दुपट्टा ओढ़ाकर विशेष सम्मान किया गया।

पदाधिकारीगण

अध्यक्ष	मंत्री	उपाध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	
रीमा गोधा	शिमला जैन	सुनीता चांदवाड़ा	बीना सोगानी	
संयुक्त मंत्री	प्रचार मंत्री	सांस्कृतिक मंत्री	संरक्षक	संरक्षक
आरती अजमेरा	सुनीता जैन	निशा गंगवाल	सुधा शाह	अनीता जैन (हाथरस)

धार्मिक एकता, महिला सशक्तिकरण और सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण

संकट

क्यों तप रहे हैं भारत के शहर?

सुनील कुमार महला

ग्लोबल वार्मिंग आज पूरी दुनिया के सामने एक गंभीर संकट के रूप में उभर रही है, और इसका प्रभाव भारत में अत्यंत स्पष्ट और चिंताजनक रूप से दिखाई दे रहा है। हाल ही में जारी वैश्विक तापमान आंकड़ों के अनुसार, दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में से 95 शहर भारत के हैं, जबकि शीर्ष 20 में से 19 शहर भी भारत में ही स्थित हैं। यह स्थिति बताती है कि देश इस समय असामान्य और भीषण गर्मी की चपेट में है। अप्रैल माह में ही कई क्षेत्रों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया, जबकि अनेक स्थानों पर यह 45 डिग्री सेल्सियस के करीब दर्ज किया गया। यह समस्या केवल महानगरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि छोटे शहर और कस्बे भी इसकी चपेट में आ चुके हैं। महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत का लगभग 55 प्रतिशत क्षेत्र उच्च हीट जोखिम वाले क्षेत्र में आ चुका है, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। दरअसल, भारत के शहर तेजी से ''अर्बन हीट आइलैंड'' में बदलते जा रहे हैं। कंक्रीट, डामर और कांच से बनी इमारतें दिनभर गर्मी को सोखती हैं और रात में धीरे-धीरे छोड़ती हैं, जिससे तापमान कम नहीं हो पाता। परिणामस्वरूप, रातें भी गर्म होती जा रही हैं। एक अध्ययन के अनुसार, पिछले दशक में गर्म रातों में लगभग 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2025 में फरवरी के अंत तक ही रात के तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि दर्ज की गई थी। वर्तमान में देश के सैकड़ों जिले गंभीर हीट श्रेणी में आ चुके हैं, जो इस संकट की भयावहता को दर्शाता है। इसके पीछे प्रमुख कारण मानवीय गतिविधियां हैं। जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, तेजी से बढ़ता शहरीकरण, वनों की कटाई, औद्योगीकरण, प्रदूषण, परिवहन का विस्तार, बढ़ती जनसंख्या और अव्यवस्थित कचरा प्रबंधन ये सभी कारक मिलकर तापमान वृद्धि को तेज कर रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव केवल तापमान वृद्धि तक सीमित नहीं है। इसके कारण अनियमित वर्षा, सूखा, हिमनदों का पिघलना और समुद्र स्तर में वृद्धि जैसी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। इससे तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ रहा है। साथ ही, जैव विविधता पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा है और कई प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गई हैं। मानव स्वास्थ्य पर भी इसका सीधा असर पड़ रहा है।

संपादकीय

बरगी डैम क्रूज हादसा : लापरवाही की भारी कीमत

जबलपुर के बरगी डैम पर नर्मदा के शांत जल में पर्यटकों की सैर अचानक मौत के तांडव में बदल गई। 30 अप्रैल 2026 की शाम को मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित क्रूज बोट अचानक आए तूफान और 74 किमी/घंटा की रफ्तार वाली हवाओं के कारण पलट गई। लगभग 29 से 47 पर्यटकों में से अब तक 9 शव बरामद हो चुके हैं, जबकि कुछ बच्चों सहित 4 लोग अब भी लापता हैं। स्थानीय नागरिकों, एसडीआरएफ,

एनडीआरएफ और सेना की टीमों ने 28 लोगों को सुरक्षित बचाया, लेकिन मां-बेटे के एक-दूसरे को जकड़े हुए शवों की तस्वीर ने पूरे देश के कलेजे को छलनी कर दिया है। यह महज एक मौसमी दुर्घटना नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही और प्रशासनिक अक्षमता की पराकाष्ठा है। शुरूआती जांच और बचे हुए लोगों के बयानों से स्पष्ट हुआ है कि हादसे से पहले मौसम विभाग की चेतावनी मौजूद थी, इसके बावजूद क्रूज को पानी में उतारा गया। कई पर्यटकों ने लाइफ जैकेट की मांग की थी, लेकिन वे ताले में बंद थे और हादसे के बाद निकाले गए। पायलट और चालक दल ने यात्रियों की चीख-पुकार और किनारे से मिल रहे संकेतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। आधिकारिक तौर पर केवल 29 टिकट कटे थे, जबकि सवारों की संख्या कहीं अधिक थी जो क्षमता से अधिक भार (ओवरलोडिंग) का प्रत्यक्ष प्रमाण है। सबसे दुखद पहलू यह है कि हादसा किनारे से महज 300 मीटर की दूरी पर हुआ, फिर भी समय पर सहायता नहीं पहुँच सकी। मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग की भूमिका अब गंभीर सवालों के घेरे में है। बरगी डैम एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, परंतु क्या यहाँ की नौका सेवाएं सुरक्षा मानकों का पालन करती हैं? क्या बोट की फिटनेस, क्रू की ट्रेनिंग और रीयल-टाइम मौसम चेतावनी प्रणाली का कोई ऑडिट होता है? खबरों के अनुसार, हादसे के बाद पायलट सहित तीन कर्मचारियों को बर्खास्त और एक को निलंबित किया गया है। सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं और सभी क्रूज बोटों की फिटनेस जांचने की बात कही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहायता राशि और राज्य सरकार ने मुआवजे की घोषणा की है, लेकिन ये कदम केवल क्षतिपूर्ति हैं, निवारण नहीं। भारत में जल-पर्यटन का विस्तार हो रहा है, किंतु सुरक्षा ढांचा अब भी अत्यंत जर्जर है। गोवा, कश्मीर और केरल में हुए पिछले हादसे भी इसी ढर्रे की याद दिलाते हैं। बरगी हादसा सिद्ध करता है कि प्राकृतिक आपदाएं अक्सर मानवीय चूकों के कारण भयावह रूप लेती हैं। तेज हवाएं अप्रत्याशित हो सकती हैं, लेकिन आपदा प्रबंधन प्रोटोकॉल और लाइफ जैकेट की उपलब्धता पूरी तरह मानवीय नियंत्रण में है। यह हादसा केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि बिखरते परिवारों की चीख है। दिल्ली की वह मां जो अपने चार साल के बेटे को छाती से लगाए काल का ग्रास बन गई, व्यवस्था की विफलता की गवाह है। अब समय आ गया है कि पर्यटन को सुरक्षा की अनिवार्य शर्त के साथ जोड़ा जाए। मध्य प्रदेश सरकार को स्वतंत्र विशेषज्ञों के साथ उच्चस्तरीय जांच करानी चाहिए। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

देसी बीजों के साथ शब्द बचाने की पहल

बाबा मायाराम

पिछले कुछ वर्षों से बाबूलाल दाहिया ने देसी बीजों को बचाने का एक महत्वपूर्ण अभियान शुरू किया है। उन्होंने पारंपरिक कृषि प्रणालियों, लोक ज्ञान और पुराने संसाधनों को सहेजने का काम किया है। वे देशभर में घूमकर किसानों और स्कूली बच्चों के साथ जैव विविधता जागरूकता अभियान चलाते हैं और देशी बीजों के संरक्षण का संदेश देते हैं। उनके इस उल्लेखनीय कार्य के लिए उन्हें कई मंचों पर सम्मानित किया गया है तथा भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया है। हमारी स्थानीय भाषाओं और बोलियों में परंपरागत ज्ञान का विशाल भंडार निहित है। पेड़-पौधों, जीव-जंतुओं, मौसम, खेती-बाड़ी और भू-दृश्यों की पहचान के लिए शब्द अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। शब्द न केवल हमारी अभिव्यक्ति का माध्यम हैं, बल्कि वे हमें प्रकृति और समाज से जोड़ने का काम भी करते हैं। मौखिक परंपराओं के माध्यम से पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान का आदान-प्रदान होता रहा है, लेकिन बदलते समय में ऐसे अनेक शब्द धीरे-धीरे हमारे जीवन से लुप्त होते जा रहे हैं। बचपन से ही हम शब्दों के माध्यम से दुनिया को समझते हैं। भाषा हमें न केवल आपस में जोड़ती है, बल्कि जीव-जगत से भी गहरा संबंध स्थापित करती है। पौधों, पशु-पक्षियों, मौसम और कृषि से जुड़े शब्द हमें पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाते हैं। बिना शब्दों के इन संबंधों को समझना और महसूस करना कठिन हो जाता है। बाबूलाल दाहिया, जो बघेली भाषा के प्रतिष्ठित साहित्यकार भी हैं, ने इस संकट को समय रहते समझा। जब उन्हें महसूस हुआ कि जैसे लोकगीत और लोकसंस्कृति धीरे-धीरे समाप्त हो रहे हैं, वैसे ही पारंपरिक अन्न और उनसे जुड़े शब्द भी विलुप्त हो रहे हैं, तब उन्होंने इन्हें संरक्षित करने का संकल्प लिया। मध्यप्रदेश के सतना जिले के उचहेरा ब्लॉक स्थित उनके गांव पिथौराबाद में उन्होंने खेती-किसानी के साथ-साथ सांस्कृतिक संरक्षण का भी महत्वपूर्ण कार्य किया है। वे बताते हैं कि पहले कृषि केवल उत्पादन का साधन नहीं थी, बल्कि एक संपूर्ण जीवन पद्धति थी। उस समय खेती से जुड़े हर कार्य के अलग-अलग नाम होते थे, जैसेबोवनी, बखरनी, निंदाई-गुड़ाई, दाबन और उड़ावनी। आज आधुनिक खेती और एकल फसल पद्धति के कारण ये शब्द धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं। इसी प्रकार, पहले अनेक प्रकार के अनाज उगाए जाते थेसमा, कोदो, कुटकी, ज्वार, तिल्ली आदिलेकिन अब हमारा भोजन कुछ सीमित फसलों तक सिमट गया है। धान की विविधता का उदाहरण भी उल्लेखनीय है। पहले विभिन्न रंगों, आकारों और स्वाद वाली अनेक किस्में प्रचलन में थीं। किसी धान का दाना सफेद होता था, तो किसी का लाल, काला या बैंगनी। इन किस्मों का न केवल कृषि बल्कि सांस्कृतिक महत्व भी था, जिनसे जुड़ी कई कहानियां और लोककथाएं प्रचलित थीं। खेती के साथ-साथ पारंपरिक उपकरण भी अब धीरे-धीरे गायब हो रहे हैं। बैलों से चलने वाले हल, जुआं, ढोलिया, ओइरा और अन्य उपकरण आधुनिक मशीनों के आने से उपयोग से बाहर हो गए हैं। इनके साथ जुड़े शब्द भी अब सुनाई नहीं देते। इसी तरह मिट्टी, कांसे और पीतल के बर्तनों की जगह प्लास्टिक और स्टील ने ले ली है, जिससे कुम्हार और शिल्पकारों की परंपराएं भी प्रभावित हुई हैं। बाबूलाल दाहिया ने इन लुप्त होती परंपराओं को सहेजने के लिए 300 से अधिक वस्तुओं का संग्रह किया है और एक संग्रहालय स्थापित किया है। इसमें मिट्टी, पत्थर, बांस, लकड़ी और लोहे से बनी वस्तुएं शामिल हैं, जो कभी ग्रामीण जीवन का अभिन्न हिस्सा थीं।

श्री शान्तिनाथ भगवान की जय
श्री दिगम्बर जैन मंदिर जी, जोबनेर
झालानियों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर
तृतीय वार्षिकोत्सव
स्थान : जोबनेर जैन मंदिर, जयपुर
16 मई शनिवार से 17 मई रविवार तक
विश्व प्रसिद्ध गुलाबी नगरी 'जयपुर' की स्थापना सन् 1728 ई. में हुई, स्थापना पश्चात प्रथम रूप में निर्मित जिनालयों में से एक श्री दिगम्बर जैन मन्दिर जोबनेर भी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मन्दिर का निर्माण सन् 1740 के लगभग पूर्ण हो चुका था। यह मन्दिर चार दीवारी के मध्य निर्मित जिन मन्दिर अपनी कलात्मकता, भव्यता के लिए सुविख्यात है। मन्दिर की सभी वेदियाँ समवशरण मण्डप एवं जिन मन्दिर की बाहरी दीवार को स्वर्णमण्डित व चित्रांकित करवाकर भव्यता दी हुई है। जिसमें जयपुर में एकमात्र खड्गासन चौबीसी जिनालय मुख्य रूप से स्थापित है।
यह वार्षिकोत्सव शनिवार दिनांक 16 मई, 2026 तदानुसार प्रथम जेठ कृष्ण पक्ष पूर्णिमा से रविवार 17 मई, 2026 प्रथम जेठ शुक्ला एकम् तक होने जा रहा है। आप सभी को जानकर हर्ष होगा कि मन्दिर जी में मुलनायक भगवान श्री 1008 शान्तिनाथ भगवान के अभिषेक एवं शान्तिधारा होने जा रहा है। जिसमें आप सभी साधर्मी बन्धुओं से निवेदन कि अपने परिवारजनों एवं इष्टमित्रों के साथ अधिक से अधिक संख्या में पधार कर इस कार्यक्रम को सफल बनाये एवं धर्म लाभ उठायें।
कार्यक्रम रूपरेखा
शनिवार 16 मई, 2026
108 दीपों से संगीतमय आरती : सांय 7.00 बजे
भक्ताम्बर पाठ की 48 दीपों के द्वारा संगीतमय महाअर्चना : 7.30 बजे से
रविवार 17 मई, 2026
अभिषेक एवं शांतिधारा : प्रात: 6.30 बजे
झंडारोहण : 8.00 बजे
दीप प्रज्वलन : 8.10 बजे
शांतिनाथ विधान एवं पूजन : 8.15 बजे
वात्सल्य भोज : 12.15 बजे से
प्रतिष्ठाचार्य
संगीतकार
मूलनायक श्री 1008 शान्तिनाथ भगवान
श्री समवशरण की भव्य रचना
सौधर्म इंद्र
ईशान इंद्र
सानत कुमार इन्द्र
महेन्द्र इंद्र
कुबेर इंद्र
लान्तव इंद्र
मुख्य अतिथि
समारोह गौरव
झंडारोहण कर्ता
कार्यक्रम अध्यक्षता
दीप प्रज्वलन कर्ता
ब्रह्म इंद्र
संगीतमय भक्ताम्बर पुण्यार्जक
पूजन सामग्री पुण्यार्जक
संगीतकार पुण्यार्जक
विशिष्ठ अतिथि
विशिष्ठ अतिथि
विशिष्ठ अतिथि
विशिष्ठ अतिथि
प्रचार सामग्री पुण्यार्जक
फोटो एवं विडियोग्राफी पुण्यार्जक
इवेन्ट पुण्यार्जक
अन्य सहयोग कर्ता : पदम कुमार जी - वन्दना जी छाबड़ा, दिलीप जी - आशा जी छाबड़ा, पुखराज जी - शीला जी पाटनी
संरक्षक प्रकाश चन्द काला 9166063327
अध्यक्ष संजय रॉवका 9509270755
कार्यक्रम संयोजक विनय कुमार जैन प्रवीण गंगवाल
पूजन संयोजक राकेश काला मैना बाकलीवाल
मंत्री राजेश काला 9352979952
संरक्षक इन्द्र कुमार बाकलीवाल 9829160927
कार्यकारिणी समिति
विनय बाकलीवाल, प्रवीण गंगवाल राकेश काला, अशोक कुमार छाबड़ा मैना बाकलीवाल, प्रकाश लुहाड़िया पंकज जैन
S.S. Caterers
क्षेत्रपाल गृह उद्योग
घर के शुद्ध पिसे मसाले एवं किराना सामान तथा पुजन सामग्री मिलती है।
होम डिलीवरी की व्यवस्था है
हमारे यहाँ पर घर के शुद्ध पीसे हुये मसाले मिलते हैं।
निवेदक : प्रबन्धक कार्यकारिणी समिति एवं सकल दिगम्बर जैन समाज, मन्दिर जोबनेर, जयपुर

संस्कार से शिखर तक : प्रथम दिवस—नींव के वर्ष (1 से 5 वर्ष)

संस्कार, जिज्ञासा और जीवन का अंकुरण

जीवन की यात्रा को विभिन्न चरणों में विभाजित करना इसे गहराई से समझने का एक सार्थक प्रयास है। यद्यपि हर आयु अपने आप में पूर्ण और महत्वपूर्ण होती है, किंतु व्यक्तित्व के निर्माण की दृष्टि से पहले पाँच वर्ष सबसे निर्णायक माने जाते हैं। यह वह कालखंड है, जो किसी भी व्यक्ति के संपूर्ण जीवन की आधारशिला रखता है। इन प्रारंभिक वर्षों में बच्चा एक 'कोरी स्लेट' के समान होता है। उसके मन में कोई पूर्वाग्रह या स्थायी विचार नहीं होते; वह अपने परिवेश से मिलने वाले अनुभवों को आत्मसात करता है। इस अवस्था में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वे बच्चे के व्यक्तित्व के प्रथम शिल्पी बनते हैं। उनके विचार, आचरण और संस्कार ही धीरे-धीरे बच्चे के भीतर स्थायी रूप लेते हैं।

संस्कारों की स्थापना और जिज्ञासा का पोषण

बच्चा इस आयु में उपदेशों से कम और व्यवहार से अधिक सीखता है। माता-पिता का आपस में बोलने का तरीका और जीवन के प्रति उनका दृष्टिकोण ही बच्चे के चरित्र की दिशा तय करता है। इसी समय बच्चे के भीतर ३क्यों३ और ३कैसे३ जैसे प्रश्नों के माध्यम से जिज्ञासा का जन्म होता है। इन प्रश्नों को दबाने के बजाय प्रोत्साहित करना अनिवार्य है, क्योंकि यही जिज्ञासा भविष्य के नवाचार और शोध का आधार बनती है। बच्चे को प्रकृति के सानिध्य में—मिट्टी, जल और खुले वातावरण से जोड़ना—उसके स्वाभाविक विकास को सुदृढ़ बनाता है।

स्नेह और सुरक्षा की आवश्यकता

इस कोमल अवस्था में बच्चे के लिए प्रेम और सुरक्षा का वातावरण सबसे महत्वपूर्ण है। डर या मानसिक दबाव से थोपा गया ज्ञान कभी स्थायी नहीं होता। इसके विपरीत, स्नेहपूर्ण वातावरण बच्चे में आत्मविश्वास और संवेदनशीलता का संचार करता है। जैसे एक नन्हे पौधे को शुरूआत में सुरक्षात्मक बाड़ की आवश्यकता होती है ताकि वह सही दिशा में बढ़ सके, वैसे ही पाँच वर्ष तक के बच्चे को कठोर अनुशासन के स्थान पर सुरक्षात्मक प्रेम की आवश्यकता होती है। प्रथम पाँच वर्षों में माता-पिता बच्चे को खिलौनों से अधिक अपना समय और मार्गदर्शन दें। इस अवधि में उनके द्वारा दिए गए संस्कार ही बच्चे के भविष्य के स्वभाव और चरित्र की अडिग नींव रखते हैं।

मौन भी एक भाषा है: रिश्तों में खामोशी का असर

रिश्तों की दुनिया केवल शब्दों पर नहीं टिकी होती; कई बार मौन (खामोशी) भी बहुत कुछ कह जाता है। हम अक्सर यह मान लेते हैं कि संवाद का अर्थ केवल बोलना है, जबकि सच्चाई यह है कि मौन भी एक गहरी और प्रभावशाली भाषा है जो बिना शब्दों के दिल की भावनाओं को व्यक्त कर देती है।

मौन की सकारात्मक शक्ति

रिश्तों में हर बात का उत्तर शब्दों में देना आवश्यक नहीं होता। कई बार मौन– समझ का प्रतीक बनता है—जब दो लोग बिना बोले एक-दूसरे की भावनाओं को समझ लेते हैं। **संवेदनशीलता दर्शाता है**—जब हम सामने वाले की स्थिति को महसूस करते हुए चुप रह जाते हैं। **शांति बनाए रखता है**—विवाद की स्थिति में मौन कई बार रिश्तों को टूटने से बचा लेता है। कई बार किसी दुखी व्यक्ति के पास चुपचाप बैठना, हजारों शब्दों से अधिक सुकून दे जाता है।

मौन का नकारात्मक प्रभाव

जहां मौन रिश्तों को संवार सकता है, वहीं अनावश्यक या गलत समय का मौन दूरी भी पैदा कर सकता है।

गलतफहमियां बढ़ती हैं—जब बातों को स्पष्ट नहीं किया जाता।

भावनाओं का दमन होता है—लंबे समय तक चुप रहना अंदर ही अंदर तनाव और पीड़ा बढ़ाता है।

उपेक्षा का एहसास होता है—कभी-कभी मौन सामने वाले को यह महसूस करा देता है कि

उसकी कोई अहमियत नहीं है।

संतुलन ही कुंजी है...

रिश्तों में यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि कब मौन रहना है और कब बोलना है। जहां शब्द रिश्ते को सुधार सकते हैं, वहां मौन नहीं रहना चाहिए; और जहां शब्द चोट पहुंचा सकते हैं, वहां मौन ही बेहतर विकल्प होता है। मौन वास्तव में एक ऐसी भाषा है, जो शब्दों से कहीं अधिक प्रभावशाली हो सकती है। यह रिश्तों में गहराई, समझ और शांति ला सकती है—बशर्ते इसका उपयोग सही समय और सही उद्देश्य के साथ किया जाए। इसलिए हमें यह सीखना चाहिए कि मौन को कमजोरी नहीं, बल्कि समझदारी भरा संवाद मानें। अंततः, रिश्ते वही सफल होते हैं जहां शब्द और मौन–दोनों का संतुलन बना रहता है।

लेखकः अनिल माथुर
ज्वाला-विहार, जोधपुर

दो दिवसीय भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव प्रारंभ

विशाल घटयात्रा, शोभायात्रा एवं जुलूस निकाला गया, आज वेदी में भगवान पार्श्वनाथ होंगे विराजमान

टोंक. शाबाश इंडिया

पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चेतालय, नाथूराम जी, महावीर चौक (पुरानी टोंक) में दो दिवसीय भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ विशाल घटयात्रा, शोभायात्रा एवं जुलूस के साथ हुआ। प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रातः चेतालय में अभिषेक एवं पूजन के पश्चात झंडारोहण एवं आचार्य निमंत्रण के कार्यक्रम पंडित सुरेश शास्त्री (निवाई) के सानिध्य में सम्पन्न हुए। इसके बाद महावीर चौक स्थित चेतालय से भव्य शोभायात्रा एवं घटयात्रा का जुलूस रवाना हुआ। यह जुलूस बाबरों का चौक, छोटा बाजार, मानक चौक, पाटनियों का मोहल्ला, मियां का चौक एवं काला बाबा होते हुए पुनः चेतालय पहुंचा। मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया, वहीं जयपुरिया सदन एवं बाकलीवाल भवन पर अल्पाहार के साथ भव्य स्वागत हुआ। जुलूस में महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण किए एवं हाथों में पंचरंगी जैन ध्वज लिए भक्ति भाव से नृत्य करती हुई चल रही थीं। अष्टकुमारिका, अखंड सौभाग्यवती, इंद्र-इंद्राणी की आकर्षक झांकियां शोभा बढ़ा रही थीं। पुरुष श्रद्धालु हाथों में भगवान पार्श्वनाथ के चित्र एवं जैन ध्वज लिए हुए शामिल थे। बैंड, घोड़ी एवं विविध झांकियों ने जुलूस को और अधिक आकर्षक बना दिया। जुलूस के चेतालय पहुंचने पर मंगल कलशों में भरे ''क्षीर सागर'' जल से वेदियों की शुद्धि एवं पूजन किया गया।

सांस्कृतिक एवं भक्ति कार्यक्रमों की प्रस्तुति

महोत्सव के व्यवस्थापक दिनेश गट्टी एवं पवन गट्टी ने बताया कि दोपहर में हल्दी-मेहंदी, विनतियां एवं भजन संध्या का आयोजन हुआ। इसमें मंजू, रेखा, हेमा, स्नेहा, पिंकी, कल्पना, शालू, टोनी, हिना एवं रीना सहित अन्य प्रतिभागियों ने भक्ति नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संचालन

हिना जैन ने किया। सायंकाल 48 दीप प्रज्वलित कर ऋद्धि मंत्रों के उच्चारण के साथ भक्तामर स्तोत्र का पाठ किया गया। दुर्गा भारती एंड ग्रुप (पायल साउंड सेंटर) की सुमधुर स्वर लहरियों पर आयुषी एवं महिमा ने भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी।

आज होगा मुख्य आयोजन

मंजू गट्टी ने बताया कि आज प्रातः अभिषेक एवं शांति धारा के पश्चात याग मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ आयोजित होगा। इसके उपरांत भगवान पार्श्वनाथ को नवनिर्मित स्वर्ण जड़ित वेदियों में विधिवत विराजमान कराया जाएगा।

मोती कटरा बड़े जैन मंदिर में गणाचार्य विराग सागर जी महाराज का 64वां अवतरण दिवस मनाया गया

आगरा. शाबाश इंडिया

मोती कटरा स्थित श्री संभवनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में शनिवार को आचार्यश्री चैत्य सागर जी महाराज एवं उपाध्यायश्री विशोक सागर जी महाराज के सानिध्य में बुंदेलखंड को गौरवान्वित करने वाले प्रथम आचार्य गणाचार्यश्री विराग सागर जी महाराज का 64वां पावन अवतरण दिवस श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पूरे मंदिर परिसर में सुबह से ही धार्मिक उत्साह का वातावरण रहा और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने अष्टद्रव्यों की भव्य थाल सजाकर आचार्यश्री विमल सागर जी महाराज एवं गणाचार्य विराग सागर जी महाराज का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया, जिससे पूरा परिसर भक्ति रस में सराबोर हो गया और जयघोषों से गूंज उठा। इस अवसर पर आचार्य श्री चैत्य सागर जी महाराज का विधिवत पाद प्रक्षालन भी सम्पन्न हुआ, जिसमें समाज के प्रमुख श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई। तत्पश्चात साधु-संतों ने अपने मंगल प्रवचनों में गणाचार्य विराग सागर जी महाराज के त्याग, तप, साधना एवं आध्यात्मिक जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश देते हुए धर्म मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन राकेश जैन पदेवाले द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। इस अवसर पर अनिल जैन, अनंत जैन, मनोज जैन, अनंत कुमार जैन, सत्येंद्र जैन, शुभम जैन सहित मोती कटरा जैन समाज के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर आयोजन को भव्य एवं सफल बनाया।

आर्यिका विज्ञाश्री जी माताजी ससंघ के सानिध्य में मनाया गया

गणाचार्य विराग सागर जी का 64वाँ अवतरण दिवस

श्री जिनसहसनाम महाअर्चना हुई सम्पन्न

देवली। श्री महावीर: दिगम्बर जैन मंदिर, देवली के तत्वावधान में प.पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 श्री विज्ञाश्री माताजी ससंघ के सानिध्य में प.पू. गणाचार्य 108 श्री विराग सागर जी महामुनिराज के 64वें अवतरण दिवस एवं प.पू. पट्टाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी महामुनिराज के प्रथम पट्टाचार्य महोत्सव के पावन अवसर पर श्री जिनसहस्रनाम महाअर्चना का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

भव्य विधान में सेवा का सौभाग्य

प्रतीक जैन सेठी एवं अध्यक्ष संजय जैन ने बताया कि इस भव्य विधान में विभिन्न इन्द्रों के रूप में श्रद्धालुओं को सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिसमें -

- सौधर्म इन्द्र – अपेक्षा अजमेरा
- यज्ञनायक – महावीर अजमेरा
- कुबेर इन्द्र – राजकुमार अजमेरा
- ईशान इन्द्र – ओम जी शाह
- सानत इन्द्र – राजकुमार कोठारी
- माहेन्द्र इन्द्र – मनोज बिलाला

कार्यक्रम की शुरुआत अभिषेक, रक्षीकरण, द्रव्य शुद्धि एवं जल शुद्धि जैसी प्रारम्भिक क्रियाओं से हुई। इसके पश्चात वज्रपंजर रक्षा कवच के साथ सभी भक्तों को मंत्रित किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से नवदेवता पूजन एवं सहस्त्रनाम पूजन सम्पन्न किया।

पूज्य माताजी के मुखारविंद से 1008 मंत्रों के पवित्र उच्चारण के साथ 11 शांतिधाराएं सम्पन्न हुईं। साथ ही 48 ऋद्धि मंत्रों का जाप एवं अर्घावली की गई। मण्डल पर 1008 बादाम, 11 श्रीफल एवं 11 दीपक अर्पित कर भगवान की स्तुति की गई।

इस अवसर पर पूज्य माताजी ने भक्ति का महत्व बताते हुए कहा कि "भक्ति से ही मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। आचार्य भगवंतों ने भी संकटों के समय भक्ति का अवलम्बन लेकर निर्विकल्प अवस्था को प्राप्त किया। यह तात्कालिक फल देने वाली भक्ति अनेकों भव्यों को उत्तम फल देने में सिद्ध हुई है।"

जीवन की गतिविधियों में विघ्न डालने वाला अंतराय कर्म मनुष्य को दुःखी कर देता है। इन संकटों से दूर होने का एकमात्र उपाय यह चमत्कारिक सहस्त्रनाम की भक्ति है। पूज्य माताजी ने कहा कि इसी भक्ति को जपते-जपते कई दुःखों से मुक्ति पायी है। आस्था से ही रास्ता मिलता है, जीवन के रास्ते से संकट, दुःख रूपी काँटे-कंकड़ निकालकर मोक्ष रूपी मंजिल को प्राप्त करो।"

इस विधान से कई इतिहास बन चुके हैं। इस भक्ति का डंका केवल भारत में ही नहीं, विदेशों में भी बज रहा है। माताजी ने जो भक्ति के द्वारा धर्म प्रभावना की, वह सचमुच ऐतिहासिक है। सभी भक्तों ने झूमते-नाचते हुए प्रभु भक्ति में तल्लीन होकर इस आयोजन को सम्पन्न किया।

> "भक्ति से ही मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। आस्था ही जीवन के संकटों से मुक्ति दिलाने का सशक्त माध्यम है।"
> – पूज्य माताजी

प्रमुख धार्मिक कार्यक्रम

- आचार्यश्री के 64वें अवतरण दिवस पर सभी भक्तों ने गुरु पूजन सम्पन्न किया।
- आचार्य श्री के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया गया।
- शाम को गुरुओं के द्वारा रचित णमोकार दीपार्चना सम्पन्न हुई। जिसमें 35 परिवारों ने 35 दीपक चढ़ाकर चमत्कारिक णमोकार महामंत्र की आराधना की।
- तत्पश्चात 64 दीपकों से आचार्य भगवान की महाआरती संगीतकार सत्येंद जैन के सुरस्वरों से सम्पन्न की गई।

आगामी आयोजन

प्रतीक जैन सेठी ने बताया कि आगामी 3 मई 2026 को श्रमणी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी का **15वाँ गणिनी पदारोहण दिवस महोत्सव** बड़े उत्साह के साथ मनाया जाएगा।

सकल दिगम्बर जैन समाज देवली से इस आयोजन में अधिकाधिक सहभागिता कर धर्मलाभ लेने का आह्वान किया गया।

आयोजनकर्ता

प्रतीक जैन सेठी | अध्यक्ष संजय जैन

आयोजक : सकल दिगम्बर जैन समाज, देवली

समाजसेवियों ने पक्षियों के लिए लगाए परिंडे

भीषण गर्मी में जल व्यवस्था कर बेजुबान जीवों को दी राहत

सीकर. शाबाश इंडिया

भीषण गर्मी के बीच बेजुबान पक्षियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को पुलिस उप अधीक्षक (ट्रैफिक) पूनम के नेतृत्व में शहर स्थित पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय परिसर में परिंडे लगाए गए। इस अवसर पर पुलिस उप अधीक्षक पूनम ने इस पहल की सराहना करते हुए अधिक से अधिक स्थानों पर परिंडे लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में जल की कमी के कारण पक्षियों को भारी परेशानी होती है, ऐसे में यह छोटा प्रयास उनके लिए जीवनदायी साबित हो सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित समाजसेवियों ने परिंडों में नियमित रूप से पानी भरने का संकल्प लिया, ताकि पक्षियों को निरंतर जल उपलब्ध होता रहे। साथ ही आमजन से भी अपील की गई कि वे अपने घरों के बाहर पानी के बर्तन रखें और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाएं। इस दौरान मुकेश जैन, प्रियंक जैन, सुरेश कुमार, सुनीता रेवाड़ सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बांसवाड़ा में विशाल निशुल्क जांच शिविर 3 मई को

बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल, बांसवाड़ा (माही वीरा केंद्र) एवं स्टर्लिंग हॉस्पिटल, अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में 3 मई 2026 को प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक पृथ्वी क्लब, गांधी मूर्ति के पास एक विशाल निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। सचिव मनोज सेठ ने जानकारी देते हुए बताया कि बांसवाड़ा में पहली बार इस प्रकार का भव्य शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें एक ही स्थान पर विभिन्न रोगों की विशेषज्ञ जांच निःशुल्क की जाएगी। शिविर में मुख्य रूप से प्रोस्टेट, कैंसर, स्पाइन, जोड़ों का दर्द, मस्तिष्क संबंधी समस्याएं (सिरदर्द, माइग्रेन), गैस आदि रोगों की जांच हेतु अलग-अलग विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध रहेंगे। अध्यक्ष महावीर सेठिया ने बताया कि सामान्यतः इन सभी जांचों के लिए अस्पतालों में 5 से 10 हजार रुपये तक का खर्च एवं अधिक समय लगता है, जबकि इस शिविर में कम समय में निःशुल्क जांच की सुविधा प्रदान की जाएगी। महेंद्र कावड़िया ने बताया कि इस प्रकार का शिविर वर्ष में एक बार ही आयोजित होता है, इसलिए अधिक से अधिक लोगों को इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया है। वीरेंद्र जैन ने कहा कि 40 वर्ष की आयु के बाद प्रत्येक व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक बार चिकित्सकीय परामर्श अवश्य लेना चाहिए। इस आयोजन को सफल बनाने में कोषाध्यक्ष रमेश सेठिया, नरेश कावड़िया, नाहर सिंह, अंकुर जैन, प्रकाश कोठारी, महेश पवार, अशोक वोरा, तेजपाल जैन, दिनेश राठौड़ सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहेगा।

महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर ने दिलाई पर्यावरण संरक्षण की शपथ

गढ़ी-परतापुर (बांसवाड़ा). शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल गढ़ी-परतापुर केंद्र द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मेतवाला में पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने तथा वर्षा जल संरक्षण हेतु रूफ वाटर हार्वेस्टिंग अपनाने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसे विद्यार्थियों द्वारा ही संचालित किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष मंथन पंचोरी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में यज्ञदत्त पुरी की भूमिका भी विद्यार्थियों ने ही निभाई। मुख्य वक्ता के रूप में अजीत कोठिया (अंतरराष्ट्रीय डायरेक्टर, नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को जागरूक किया। उनका विद्यालय के प्रधानाचार्य भारतसिंह राठौड़, जयदीप व्यास एवं खुशपाल जैन द्वारा पगड़ी एवं उपरणा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। प्रारंभ में खुशपाल जैन ने अजीत कोठिया द्वारा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में प्रबंधक एवं महावीर इंटरनेशनल गढ़ी-परतापुर के गवर्निंग काउंसिल सदस्य के रूप में किए जा रहे सेवा कार्यों का परिचय दिया। इस अवसर पर अजीत कोठिया ने जुलाई माह में आशुभाषण प्रतियोगिता, वृक्षारोपण कार्यक्रम तथा विद्यार्थियों को कपड़े के स्कूल बैग वितरित करने का संकल्प व्यक्त किया। ''मिशन ऑक्सीजन'' के तहत प्रत्येक छात्र-छात्रा से वर्षा ऋतु में कम से कम एक पौधा लगाने एवं उसकी देखभाल करने का आह्वान किया गया।

मोती कटरा बड़े जैन मंदिर में गणाचार्य विराग सागर जी महाराज का 64वां अवतरण दिवस मनाया गया

आगरा. शाबाश इंडिया। मोती कटरा स्थित श्री संभवनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में शनिवार को आचार्यश्री चैत्य सागर जी महाराज एवं उपाध्यायश्री विशोक सागर जी महाराज के सानिध्य में बुंदेलखंड को गौरवान्वित करने वाले प्रथम आचार्य गणाचार्यश्री विराग सागर जी महाराज का 64वां पावन अवतरण दिवस श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर में प्रातः से ही धार्मिक उत्साह का वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने अष्टद्रव्यों की भव्य थाल सजाकर आचार्यश्री विमल सागर जी महाराज एवं गणाचार्य विराग सागर जी महाराज का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया, जिससे पूरा वातावरण भक्ति रस से सराबोर हो गया और जयघोषों से गूंज उठा। इस अवसर पर आचार्यश्री चैत्य सागर जी महाराज का विधिवत पाद प्रक्षालन सम्पन्न हुआ, जिसमें समाज के प्रमुख श्रद्धालुओं ने भाग लिया। तत्पश्चात साधु-संतों ने अपने मंगल प्रवचनों में गणाचार्य विराग सागर जी महाराज के त्याग, तप, साधना एवं आध्यात्मिक जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश देते हुए धर्म मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन राकेश जैन पदेवाले द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। इस अवसर पर अनिल जैन, अनंत जैन, मनोज जैन, अनंत कुमार जैन, सत्येंद्र जैन, शुभम जैन सहित मोती कटरा जैन समाज के सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर आयोजन को भव्य एवं सफल बनाया। **रिपोर्ट: शुभम जैन**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन ने रचा कीर्तिमान – CPR/BLS की 100वीं प्रशिक्षण संपन्न

8000+ लोगों को दिया जीवन रक्षक प्रशिक्षण | एक दिन में 1959 लोगों को ट्रेनिंग देकर बनाया विश्व रिकॉर्ड

CPR/BLS प्रशिक्षण के 100वें सत्र पर अतिथियों को सम्मानित करते पदाधिकारी

जयपुर. शाबाश इंडिया

सेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि जोड़ते हुए रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन द्वारा आज SMS ट्रॉमा हॉस्पिटल परिसर में CPR/BLS (बेसिक लाइफ सपोर्ट) का 100वां प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह उपलब्धि न केवल क्लब के समर्पण का प्रतीक है, बल्कि समाज में जीवन रक्षक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

क्लब अध्यक्ष रोटेरियन संजय अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि क्लब अब तक 8000 से अधिक लोगों को BLS/CPR प्रशिक्षण प्रदान कर चुका है, जिससे वे आपात स्थिति में जीवन बचाने में सक्षम बन सके है। उन्होंने यह भी बताया कि क्लब ने एक ही दिन में सर्वाधिक 1959 लोगों को BLS प्रशिक्षण देकर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है, जो इस अभियान की व्यापकता और प्रभाव को दर्शाता है।

हमारी प्रमुख उपलब्धियां

100वीं	8000+	1959
CPR/BLS प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न	लोगों को BLS/CPR प्रशिक्षण देकर बनाया सक्षम	लोगों को एक दिन में ट्रेनिंग देकर बनाया विश्व रिकॉर्ड

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते क्लब के सदस्य एवं अतिथि

कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक रोटेरियन नीरज गंगवाल ने कहा कि वर्तमान समय में कम उम्र में हृदयाघात के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। ऐसे में अस्पताल पहुंचने से पहले यदि मौके पर ही CPR दिया जाए, तो यह किसी व्यक्ति के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि भीषण गर्मी के मौसम में सांप के काटने और आग लगने जैसी घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, जिनसे निपटने के उपाय भी प्रशिक्षण के दौरान बताए गए। उन्होंने सभी से इस प्रशिक्षण को सीखने और समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

क्लब सचिव रोटेरियन आशीष बौद ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि SMS मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में स्किल लेब के नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश गौतम की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्ति डॉ. जगदीश मोदी, डॉ. चित्रा सिंह एवं डॉ. गिरधर गोयल ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

क्लब के कोषाध्यक्ष रोटेरियन अजय जैन ने बताया कि इस अवसर पर CPR अभियान में निरंतर सहयोग देने वाले सभी चिकित्सकों एवं सहयोगियों को सम्मानित किया गया।

प्रशिक्षण सत्र का संचालन अनुभवी प्रशिक्षकों श्री राजकुमार राजपाल एवं श्री राधेश्याम शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्लब सदस्यों सहित 50 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समारोह का सफल संचालन रोटेरियन सुनील बिदिवाला एवं वर्षा अजमेड़ा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में क्लब के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन सुधीर जैन, प्रमोद जैन, अशोक कोटलर, मनोज जैन, राजेश गंगवाल एवं रविंद्र नाथ सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन – मानव सेवा के लिए समर्पित

आगमोद्धारक नगरी में पांच दिवसीय दीक्षा महोत्सव का शुभारंभ

नगरी उद्घाटन एवं शक्रस्तव अभिषेक के साथ भव्य शुरूआत

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

कंचन सिटी स्थित आगमोद्धारक नगरी में पांच दिवसीय दीक्षा महोत्सव का भव्य शुभारंभ नगरी उद्घाटन एवं शक्रस्तव अभिषेक के साथ हुआ। नगरी का उद्घाटन आचार्य आनंद चंद्र सागर सूरीश्वरजी महाराज की पावन निश्रा में महोत्सव को सार्वजनिक रूप से आयोजित किया जा रहा है। मुनि चरित्र चंद्र सागर श्रीजी ने कहा कि परमात्मा का अभिषेक सामान्य घटना नहीं है। इसे करने और देखने मात्र से कर्मों की निर्जरा होती है। इससे भूमि में रस, नदियों में नीर, परिवारों में प्रेम तथा क्षेत्र में सुख-समृद्धि और प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है। प्रवक्ता वीरेन्द्र जैन ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं उल्लास के साथ हुआ। मुंबई के संगीतकार जय भाई की

महासती मुक्ति प्रिया श्रीजी एवं दीक्षार्थी संयम मेहता की उपस्थिति में लाभार्थी सुनील पोरवाल परिवार द्वारा किया गया। इस अवसर पर आचार्यश्री ने शक्रस्तव अभिषेक की महिमा बताते हुए कहा कि भगवान के 273 विशेषणों से युक्त यह दिव्य स्तवन आत्मशुद्धि एवं आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम है। उन्होंने कहा कि यह अभिषेक औषधीय प्रभाव वाला होकर काया-कवच का निर्माण करता है। भगवान के दर्शन से दिव्यता का अंश हमारे भीतर उतरता है। अभिषेक भगवान पर होता है, लेकिन मलिनता हमारी आत्मा की दूर होती है। उन्होंने आगे कहा कि आंख, कान और मन हमारे जीवन के प्रवेश द्वार हैं। हम जो बार-बार देखते और सुनते हैं, वही हमारे मन में उतरता है और जीवन की दिशा निर्धारित करता है। इसलिए अहिंसा, त्याग, संयम एवं समर्पण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने हेतु दीक्षा प्रस्तुति का श्रद्धालुओं ने लाभ लिया। इस अवसर पर कंचन सिटी के मुख्य द्वार का उद्घाटन भी आचार्यश्री की पावन निश्रा में किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक निर्मल कुमार सकलेचा, तेजमल सर्राफ, गौतम सर्राफ, दिलीप सर्राफ, गौरव सर्राफ सहित सर्राफ परिवार एवं जैन समाज के अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आगामी कार्यक्रम

3 अप्रैल (रविवार): प्रातः 9:00 बजे प्रवचन (धर्मसागरजी प्रवचन मंडप), दोपहर 12:39 बजे सिद्धचक्र पूजन, रात्रि 7:30 बजे दीक्षार्थी की भव्य बिंदोरी (इंडानी निवास, रोसली रोड से कंचन सिटी तक)

4 अप्रैल (सोमवार): प्रातः 9:00 बजे वस्त्र रंगोत्सव, दोपहर 3:00 बजे हल्दी समारोह, सायं 7:30 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम

बगीचा मंदिर में पूजन करते हुए

जैन मिलन सेंट्रल ने विभिन्न आयोजनों के साथ मनाया भारतीय जैन मिलन का 61वां स्थापना दिवस

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन मिलन के 61वें स्थापना दिवस के अवसर पर जैन मिलन सेंट्रल, अशोकनगर के वीर बंधुओं ने विविध सेवा एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर इस दिवस को यादगार बनाया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष कैची, जैन मिलन सेंट्रल अध्यक्ष अतुल बंसल एवं मंत्री मनोज बहादुरपुर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रातः बगीचा मंदिर में अभिषेक, शांति धारा एवं पूजन का आयोजन किया गया। इसके पश्चात जीवदया फाउंडेशन द्वारा संचालित

पशु उपचार केंद्र (गौशाला) में जाकर पशुओं को गर्मी से राहत देने हेतु कूलर प्रदान किए गए तथा गौमाता को हरा चारा एवं सब्जियां खिलाई गईं। साथ ही संचालकों से पशुओं के स्वास्थ्य की जानकारी ली गई। तत्पश्चात जी.के. गार्डन में ''कैंची बीड़ी परिवार'' के सौजन्य से संचालित शीतल जल सेवा केंद्र का शुभारंभ किया गया। वहीं कोचर निवास पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर जैन मिलन सेंट्रल एवं महिला जैन मिलन, अशोकनगर की वीरांगनाओं सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष कैंची, संयुक्त मंत्री आनंद गांधी एवं महेंद्र कडेसरा, राष्ट्रीय संयोजक प्रमोद छाया, अध्यक्ष अतुल बंसल, तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष सचिन जैन बारी, मंत्री मनोज बहादुरपुर, उपाध्यक्ष रिंकेश कांसल, कोषाध्यक्ष सुनील कोठारी, प्रवक्ता सचिन सर्राफ एवं नितिन जैन, सांसद प्रतिनिधि संजीव भारिल्ल, क्षेत्रीय मंत्री निर्मल मिर्ची, शाखा संयोजक श्रेयांस जैन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। महिला जैन मिलन की ओर से अध्यक्ष श्वेता जैन भोपाली, मंत्री प्रीति जैन बाबा, दीप्ति कांसल, हर्षिता जैन, अंजू बाँझल, रानी गांधी, विनीता मिर्ची, अंजू कांसल एवं कल्पना सर्राफ सहित अन्य सदस्याएं भी कार्यक्रम में सहभागी रहीं। उल्लेखनीय है कि भारतीय जैन मिलन की स्थापना 2 मई 1966 को देहरादून में हुई थी। आज यह संस्था अंतरराष्ट्रीय स्वरूप धारण कर लगभग 1500 शाखाओं के माध्यम से सक्रिय रूप से समाज सेवा में विशिष्ट स्थान बनाए हुए है।

“सृजन पंख ग्रीष्म शिविर 2026” का भव्य समापन

बच्चों ने प्रस्तुत की प्रतिभा की शानदार झलक

बड़ागांव (धसान). शाबाश इंडिया

श्री सन्मति दिगंबर जैन पाठशाला, फलहोड़ी बड़ागांव (धसान) के तत्वावधान में एक माह तक संचालित ''सृजन पंख ग्रीष्म शिविर 2026'' का भव्य एवं गरिमामयी समापन 1 मई 2026 को सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में धरणेन्द्र जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सकल दिगंबर जैन समाज सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे आयोजन का वातावरण उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायी बन गया। शिविर के संयोजक एवं पाठशाला अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार जैन शास्त्री ने अपने उद्बोधन में बताया कि यह शिविर बच्चों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। एक माह तक चले इस शिविर में रचनात्मक, शारीरिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का सफल संचालन किया गया, जिससे बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, संस्कार एवं नेतृत्व क्षमता का विकास हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ रितु जैन, अनुषा जैन, आर्या जैन एवं अनिका जैन द्वारा प्रस्तुत मां सरस्वती वंदना से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके पश्चात शाह मुन्ना लाल जैन, शाह कैलाश चंद जैन, पं. मुन्ना लाल जैन एवं कु. आरती जैन (शाहगढ़) द्वारा चित्र अनावरण कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

बच्चों ने बिखेरा प्रतिभा का जादू

समापन समारोह में बच्चों ने अपनी विविध प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मलखंब एवं रोप प्रदर्शनः कु. आरती जैन के मार्गदर्शन में बच्चों ने साहस, संतुलन एवं शारीरिक दक्षता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कराटे प्रदर्शनः कु. सुहानी कुशवाहा के निर्देशन में बच्चों ने आत्मरक्षा कौशल एवं अनुशासन की शानदार प्रस्तुति दी। संगीत प्रस्तुतिः पं. मुन्ना लाल जैन के निर्देशन में बच्चों ने सामूहिक गायन एवं हारमोनियम वादन कर उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रशिक्षकों को माला, तिलक एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही शिविर में भाग लेने वाले बच्चों को प्रमाण-पत्र एवं उपहार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा शिविर संयोजक डॉ. सुनील कुमार जैन शास्त्री को विशेष प्रशस्ति-पत्र देकर उनके उत्कृष्ट आयोजन एवं सफल नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि धरणेन्द्र जैन ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के शिविर बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बच्चों को निरंतर सीखने, अनुशासन बनाए रखने एवं जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया तथा पाठशाला परिवार की इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनील कुमार जैन द्वारा किया गया, जबकि अंत में पटु. नीरज जैन पीलू ने आभार व्यक्त करते हुए सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं सहयोगियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। समारोह के अंत में उपस्थित जनसमूह ने बच्चों की प्रस्तुतियों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आयोजन को अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायी बताया।

इनर व्हील क्लब ऑफ कोटा नॉर्थ की “थैंक्स गिविंग ईवनिंग” आयोजित

कृतज्ञता, सेवा और सौहार्द का सुंदर संगम

कोटा. शाबाश इंडिया

इनर व्हील क्लब ऑफ कोटा नॉर्थ द्वारा जौहरी होटल में भव्य एवं गरिमामयी ''थैंक्स गिविंग ईवनिंग'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व क्लब अध्यक्ष प्रमिला पारीक ने किया। यह आयोजन वर्षभर किए गए सेवा कार्यों, समर्पण और उपलब्धियों के उत्सव के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रमिला पारीक ने अपने कार्यकाल के दौरान संपन्न प्रमुख प्रोजेक्ट्स, लाभार्थियों एवं समाज कल्याण हेतु व्यय की गई राशि का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि क्लब ने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक उत्थान के विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय योगदान दिया है। अपने उद्बोधन में उन्होंने सभी सदस्यों के सहयोग, टीम भावना और समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर क्लब के सक्रिय सदस्यों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया, जिससे गर्व, एकता और प्रेरणा का वातावरण बना। कार्यक्रम में क्लब की चार्टर अध्यक्ष शशि सक्सेना सहित पूर्व अध्यक्षों—शिखा अग्रवाल, सरिता भूटानी, मधु बाहेती, सुशीला मित्तल, सरोज गुप्ता, गुरप्रीत आनंद, पुष्पा अग्रवाल, राजबाला गुप्ता, डॉ. सुशीला बरथूनिया, मधु शर्मा एवं मंजू साहनी—का उनके योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर सदस्यों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक नृत्य एवं संगीत कार्यक्रमों ने संध्या को उल्लासपूर्ण बना दिया। सभी ने उत्साह और आनंद के साथ सहभागिता निभाई, जिससे वातावरण सौहार्द और खुशी से भर गया। एक्जीक्यूटिव मेंबर मधु बाहेती ने आगामी सत्र की नई कार्यकारिणी का परिचय कराया। इस दौरान अध्यक्ष डॉ. विजेता गुप्ता, सचिव रजनी अरोड़ा, कोषाध्यक्ष सरोज कालिया, आईएसओ शशि सक्सेना एवं उपाध्यक्ष विद्या गर्ग का पूर्व अध्यक्ष सरिता भूटानी द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने आपसी संवाद और स्नेहपूर्ण क्षण साझा किए। यह संध्या केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, कृतज्ञता और आपसी एकता का सुंदर प्रतीक बनकर सभी के लिए स्मरणीय बन गई।

रिपोर्टः आजाद शेरवानी

मोदीनगर में आचार्य विरागसागर जी महामुनिराज का 64वां जन्म महोत्सव श्रद्धा के साथ मनाया गया

मोदीनगर (गाजियाबाद). शाबाश इंडिया

परमपूज्य आचार्य विरागसागर जी महामुनिराज का 64वां जन्म महोत्सव मोदीनगर में अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। यह आयोजन आचार्य विमर्शसागर जी मुनिराज (ससंघ) के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में किया गया, जहां प्रातःकाल से ही भक्तिमय वातावरण छाया रहा। समारोह का शुभारंभ मंगलाचरण, दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट जैसे पावन अनुष्ठानों के साथ हुआ। इसके पश्चात गुरु पूजन एवं महाअर्चना के माध्यम से आचार्य गुरुवर के प्रति श्रद्धा अर्पित की गई। मोदीनगर के समाजसेवी सुशील जैन ने अपने संबोधन में आचार्यश्री के प्रति गहन श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुवर का सानिध्य समाज को सदैव प्रेरित करता है। उन्होंने समस्त समाज की ओर से निवेदन किया कि आगामी चातुर्मास की स्थापना मोदीनगर में ही की जाए। इस अवसर पर आचार्य विमर्शसागर जी मुनिराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि आचार्य विरागसागर जी महामुनिराज स्वयं एक ''महातीर्थ'' के रूप में इस धरा पर अवतरित हुए। उन्होंने ग्राम पथरिया में जन्म लेकर मात्र 16 वर्ष की अल्पायु में संयम मार्ग को अपनाया और जीवन के 45 वर्षों तक कठोर साधना कर जिनशासन को

सैकड़ों पीढ़ीधारी साधक-साधिकाएं प्रदान कीं। उन्होंने आगे बताया कि आचार्य गुरुवर का जन्म 2 मई 1963 को माता श्यामा देवी एवं पिता कपूरचंद जी के यहां हुआ तथा 5 जुलाई 2024 को उन्होंने उत्कृष्ट समाधि प्राप्त कर मानव समाज के लिए एक आदर्श प्रस्तुत किया। आचार्यश्री ने कहा कि गुरुवर की शिक्षाएं आज भी हम सभी को उनके सानिध्य का अनुभव कराती हैं। अंत में उन्होंने समस्त संघ की ओर से आचार्य गुरुवर के चरणों में विनयांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धा प्रकट की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही और सभी ने भक्ति भाव से सहभागिता निभाई।

संत सुधा सागर धाम पर जल सेवा केंद्र का लोकार्पण

भारतीय जैन मिलन के स्थापना दिवस पर हुआ भव्य आयोजन

राघौगढ़. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन मिलन के 61वें स्थापना दिवस के अवसर पर संत सुधा सागर धाम स्थित श्री संभवनाथ जिनालय में वाटर कूलर जल सेवा केंद्र का शुभारंभ किया गया। जैन मिलन राघौगढ़ के मंत्री विकास कुमार जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सेवा केंद्र का शुभारंभ भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक विजय कुमार जैन (पत्रकार) द्वारा वाटर कूलर पर स्वास्तिक अंकित कर किया गया। इस अवसर पर जैन समाज अध्यक्ष एवं भारतीय जैन मिलन क्षेत्र 12 के वरिष्ठ क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अशोक कुमार भारिल्य तथा राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री शीतल चंद कठारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। जैन मिलन राघौगढ़ के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार जैन ने सभी अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया। यह वाटर कूलर भारतीय जैन मिलन फाउंडेशन एवं जैन समाज राघौगढ़ के सहयोग से स्थापित किया गया है। इससे संत सुधा सागर धाम स्थित जिनालय में प्रतिदिन दर्शन करने आने वाले देशभर के श्रद्धालुओं को शीतल पेयजल की सुविधा मिलेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में भी श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर, राघौगढ़ में भारतीय जैन मिलन फाउंडेशन के सहयोग से वाटर कूलर स्थापित किया गया था, जिसका संचालन जैन समाज राघौगढ़ एवं जैन मिलन राघौगढ़ द्वारा किया जा रहा है। इसी प्रकार संभवनाथ जिनालय के मुख्य द्वार पर भी अनुमेष किरण सेवा न्यास के सहयोग से वाटर कूलर लगाया गया है। इन जल सेवा केंद्रों से प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु एवं राहगीर शीतल जल का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर दिलीप कुमार जैन, विनय कुमार जैन, रविंद्र कुमार जैन, रुपेश चौधरी, राजीव जैन, आशीष रावत, सुरेश चंद जैन, आकाश जैन सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आचार्य ज्ञान सागर जी मुनिराज का 70वां अवतरण दिवस विनयांजलि के साथ मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य शांतिसागर महाराज (छाणी) परंपरा के षष्ठम पट्टाचार्य आचार्य ज्ञान सागर जी मुनिराज के 70वें अवतरण दिवस (1 मई) के अवसर पर जैन बैंकर्स द्वारा दुर्गापुरा जैन मंदिर में क्षुल्लिका मंगलमति माताजी के सानिध्य में विनयांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के गणमान्यजनों—जी.सी. जैन, प्रकाश चांदवाड़, राजेंद्र काला एवं भागचंद शाह सांवरिया द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात श्रीमती मुन्ना सोगानी एवं सुशीला काला ने स्तुतिमय मंगलाचरण प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भागचंद जैन ने आचार्य श्री के जीवन, तप,

त्याग एवं आध्यात्मिक साधना से उपस्थित जनसमूह को अवगत कराया। जी.सी. जैन, इंजीनियर प्रेमचंद छाबड़ा, राजेंद्र काला, सुनील काला, पदम बिलाला एवं कमलेश पांड्या सहित अन्य वक्ताओं ने धर्म जागरण एवं समाज हित में आचार्य श्री के योगदान को स्मरण करते हुए भावपूर्ण विनयांजलि अर्पित की। इस अवसर पर क्षुल्लिका मंगलमति माताजी ने अपने उद्बोधन में अहिंसा को शाश्वत धर्म बताते हुए कहा कि जीव मात्र के कल्याण में इसकी महत्ता सदैव बनी रहेगी और विश्व कल्याण का मार्ग भी इसी में निहित है।

उन्होंने कहा कि आचार्य ज्ञान सागर जी मुनिराज ने अपने जीवन में चतुर्थकालीन मुनिचर्या का पालन कर दिगंबरत्व के महत्व को जन-जन तक पहुंचाया। कार्यक्रम के अंत में मुकेश पांड्या ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। सभा में सुनील काला, कृष्ण कुमार अजमेरा, अशोक कुमार मित्तल, कैलाश चंद सोगानी, राजेंद्र पापड़ीवाल, पुष्पा सोगानी, मनोरमा बाकलीवाल, जितेंद्र कुमार जैन, सुरेश चंद जैन, राजीव पांड्या, दिनेश चांदवाड़, आशीष बाकलीवाल, गुणमाला लुहाड़िया, रानी बड़जात्या सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रेषकः भागचंद जैन मित्रपुरा
अध्यक्ष, अखिल भारतीय जैन बैंकर्स

भारतीय जैन मिलन के 61वें स्थापना दिवस पर श्रद्धांजलि एवं सेवा कार्य

सोनल जैन की रिपोर्ट

भारतीय जैन मिलन के 61वें स्थापना दिवस के अवसर पर शाखा द्वारा विविध सेवा एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर के दिवंगत पूर्व अध्यक्षों को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही शाखा की पूर्व अध्यक्षों का तिलक एवं दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में समाज सेवा के अंतर्गत एक जरूरतमंद परिवार की बेटी के विवाह हेतु आवश्यक सामग्री भेंट की गई। इसमें साड़ियां, लहंगा, सूट, चांदी के बिछुए, मेकअप सामग्री, सूटकेस, बर्तन, मिठाई एवं अन्य उपयोगी वस्तुएं शामिल रहीं। धार्मिक चेयरमैन वीरा स्नेहलता जैन द्वारा संचालित औषधालय की निरंतर सेवा में सहयोग देते हुए जैन मिलन महिला अंजना शाखा ने 1100 रुपए की राशि प्रदान की। इस अवसर पर वेदजी का भी तिलक एवं दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वीरांगना नितेश जैन, संयोजिका वीरा नम्रता जैन, धार्मिक चेयरमैन वीरा स्नेहलता जैन, तीर्थ बचाओ समिति की वीरा मीरा जैन, सद्भावना वीरा सरला जैन, अध्यक्ष सुनीता जैन, मंत्री रेनू जैन, कोषाध्यक्ष सुमन जैन सहित रूबी जैन, किरण जैन, नीलम जैन, कविता जैन एवं नीलू जैन सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं।

जयकारों के बीच आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज का संघीजी की नसिया में भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन समाज के लिए शनिवार का दिन ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण रहा, जब आचार्य प्रज्ञा सागर जी महाराज का 16 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद चूलगिरी के नीचे खानिया स्थित संघीजी की नसिया में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। संघीजी की नसिया के अध्यक्ष डॉ. विनोद शाह ने बताया कि प्रातः 6:00 बजे पूज्य गुरुदेव ने जवाहर नगर दिगंबर जैन मंदिर से पदविहार करते हुए प्रस्थान किया। श्रद्धालुओं के जयघोष और भक्ति भाव के बीच प्रातः 7:00 बजे चूलगिरी में उनका भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस दिव्य यात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए और पूरा मार्ग भक्तिमय हो उठा। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इस दौरान आचार्य श्री ससंघ ने सेठी कॉलोनी दिगंबर जैन मंदिर के दर्शन भी किए, जहां अध्यक्ष दीनदयाल पाटनी एवं महामंत्री धर्मीचंद जैन के नेतृत्व में भव्य अगवानी की गई। इसके पश्चात आचार्य श्री घाट की गूणी होते हुए खानिया स्थित संघीजी की नसिया के लिए मंगल विहार करते हुए पहुंचे। महासभा दक्षिण संभाग के अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि वर्ष 2009 में भी पूज्य गुरुदेव का यहां ऐतिहासिक मंगल प्रवेश हुआ था, जिसकी स्मृतियां आज भी समाज के मन में जीवंत हैं। हाल ही में आचार्य श्री का जवाहर नगर में 22 दिवसीय मंगल प्रवास सम्पन्न हुआ, जिसमें उन्होंने धर्म, संयम, आत्मकल्याण एवं संस्कारों के प्रेरणादायी संदेश दिए। आचार्य प्रज्ञा सागर जी महाराज अपने गहन ज्ञान, ओजस्वी वाणी एवं सरल व्यक्तित्व के लिए विख्यात हैं। वे अहिंसा, संयम एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रबल प्रेरक हैं तथा उनके सानिध्य में देशभर में वृक्षारोपण जैसे अनेक जनकल्याणकारी कार्य हुए हैं। **आज चूलगिरी में होंगे दर्शन:** विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार 3 मई (रविवार) को पूज्य गुरुदेव चूलगिरी दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र में विराजमान मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन कर समाज को पुण्यलाभ प्रदान करेंगे। मंगल प्रवेश जुलूस में गोलोक धाम समिति के कार्याध्यक्ष दीपक बाकलीवाल, महामंत्री अमित जैन निमोडिया, दिनेश बज, अनिल गोधा, नवीन जैन बिल्टीवाला सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। आचार्य संघ रविवार को संघीजी की नसिया से चूलगिरी पर्वत के लिए मंगल विहार करेगा, जहां संरक्षक प्रवीण चंद्र छाबड़ा, अध्यक्ष राजेंद्र के शेखर एवं महावीर सुदीप सोनी के नेतृत्व में भव्य अगवानी की जाएगी।

गणिनी आर्यिका जिनदेवी माताजी का जवाहर नगर में मंगल प्रवेश

विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार शनिवार सायंकाल गणिनी आर्यिका 105 जिनदेवी माताजी ससंघ का दुर्गापुरा जैन मंदिर से मंगल विहार करते हुए जवाहर नगर दिगंबर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मंदिर में अध्यक्ष महेंद्र बख्शी एवं मंत्री अजय गोधा के नेतृत्व में आर्यिका संघ की भव्य अगवानी की गई। दर्शन, आरती एवं गुरु भक्ति के कार्यक्रम सम्पन्न हुए तथा रात्रि विश्राम भी वहीं हुआ।

सेठी कॉलोनी जैन मंदिर में 15 वर्ष बाद होगा मंगल प्रवेश

सेठी कॉलोनी जैन मंदिर के अध्यक्ष दीनदयाल पाटनी एवं महामंत्री धमीचंद कासलीवाल ने बताया कि आर्यिका संघ का वर्ष 2011 में यहां वषायोग हुआ था। लगभग 15 वर्ष बाद रविवार को प्रातः 6:00 बजे भव्य मंगल प्रवेश होगा। इसके पश्चात अभिषेक एवं धर्मसभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आर्यिका माताजी के मंगल प्रवचन होंगे। इससे पूर्व आर्यिका संघ प्रातः जवाहर नगर दिगंबर जैन मंदिर से सेठी कॉलोनी मंदिर के लिए मंगल विहार करेगा।

प्रेषक: विनोद जैन कोटखावदा

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन परिषद का 39वां राष्ट्रीय अधिवेशन इंदौर में सम्पन्न

इंदौर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन परिषद का 39वां राष्ट्रीय अधिवेशन इंदौर में श्री अनिल पारसदास जैन की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। अधिवेशन से पूर्व राष्ट्रीय प्रबंधकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें उपस्थित सदस्यों ने श्री अनिल पारसदास जैन के अध्यक्ष पद पर मनोनयन को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की। परिषद की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता राजेश जैन ददू ने बताया कि इस अवसर पर सुरेश जैन द्वारा श्री अनिल जैन को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई गई। नवनियुक्त अध्यक्ष श्री अनिल जैन ने अपने उद्बोधन में परिषद की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह एकमात्र ऐसी राष्ट्रीय संस्था है जिसका स्वयं का भवन दिल्ली में स्थित है। उन्होंने पंचकल्याणक आयोजनों में होने वाले अपव्यय को रोककर उस राशि को जनकल्याणकारी कार्यों में उपयोग करने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने प्रदेश अध्यक्षों एवं महिला परिषद के कार्यों की सराहना करते हुए पदाधिकारी मंडल के 11 सदस्यों की घोषणा की। समारोह के मुख्य अतिथि शैलेन्द्र जैन ने परिषद के 103 वर्ष पुराने गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए इसे समाज सुधार में अग्रणी बताया। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए महिला वर्ग से परिषद को और मजबूत बनाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि दिनेश जैन ने ''जियो और जीने दो'' के सिद्धांत पर चलने का संदेश देते हुए समाज को संगठित रहने और आर्थिक सुदृढ़ता पर ध्यान देने की बात कही।

सम्मान एवं पुरस्कार वितरण

परिषद की परंपरा के अनुसार विभिन्न गणमान्यजनों को प्रतीक चिन्ह, माला, दुपट्टा एवं ''परिषद गौरव पुरस्कार'' से सम्मानित किया गया। इनमें शैलेन्द्र जैन (विधायक, सागर), सुरेश जैन (आईएएस, भोपाल), सुनील जैन (सागर), अशोक जैन (गुरुग्राम), सतीश जैन (हरिद्वार), डॉ. अखिल बंसल (जयपुर), सुनील जैन (दिल्ली), जितेंद्र जैन (आगरा) एवं प्रशांत जैन (युवा परिषद, सागर) शामिल रहे। परिषद का सर्वोच्च सम्मान ''परिषद शिरोमणि रत्न'' निवर्तमान अध्यक्ष चक्रेश जैन को प्रदान किया गया, जबकि डॉ. जीवन लाल जैन को यह सम्मान मरणोपरांत दिया गया।

द्वितीय सत्र में विचार-विमर्श

द्वितीय सत्र में विभिन्न प्रदेश अध्यक्षों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संस्था की प्रगति एवं समाज में व्याप्त कुरीतियों के उन्मूलन हेतु कार्य करने का आह्वान किया। सुनील जैन (सागर) ने जनगणना में ''जैन'' लिखने के लिए प्रेरित किया, जबकि सतीश जैन ने साधु-संतों के आहार-विहार में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। डॉ. अखिल बंसल ने शिक्षा के क्षेत्र में ठोस कार्ययोजना बनाकर नई पीढ़ी को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता बताई। महिला परिषद की केंद्रीय अध्यक्ष निर्मला जैन ने नव नियुक्त अध्यक्ष को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। प्रशांत जैन ने युवा वर्ग को परिषद से जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में स्वामी जयंत कीर्ति जी ने परिषद की सदस्य संख्या बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। प्रथम सत्र का संचालन सुनील जैन (दिल्ली) तथा द्वितीय सत्र का संचालन प्रशांत जैन (सागर) ने किया। ध्वजारोहण श्री अनिल जैन, मंच उद्घाटन सुरेश जैन (आईएएस) तथा चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन समागत अतिथियों द्वारा किया गया। देशभर से आए प्रतिनिधियों में अशोक गोयल, सरला जैन, पुनीत जैन, रेनू जैन, नीरज जैन, सुभाष बड़जात्या, जिनेंद्र जैन, सुरेंद्र कुमार, सरला सामरिया, प्रभा जैन सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

समाजसेवी मनोज गंगवाल बने जन-जन की आवाज

बिना पद, बिना स्वार्थ— विकास के संकल्प से बदल रही क्षेत्र की तस्वीर

जयपुर. शाबाश इंडिया

डीडवाना-कुचामन जिले के नावा क्षेत्र में इन दिनों मनोज गंगवाल का नाम आमजन के बीच चर्चा का केंद्र बना हुआ है। बिना किसी औपचारिक राजनीतिक पद के, केवल सेवा और विकास के संकल्प के साथ निरंतर सक्रिय रहते हुए वे लोगों के विश्वास और समर्पण का प्रतीक बनकर उभरे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि गंगवाल ने अपने कार्यों से यह साबित किया है कि सच्ची निष्ठा और मजबूत इरादों के सामने पद और पहचान गौण हो जाते हैं।

''सेवा से जो नाम हो, वही सच्चा मान, जनहित में जो जी सके, वही महान इंसान।'' यह दोहा उनकी कार्यशैली को सटीक रूप से दर्शाता है, जहां हर प्रयास में जनहित सर्वोपरि नजर आता है। रेल सुविधाओं के विस्तार से लेकर शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, सड़क निर्माण और बस परिवहन जैसे बुनियादी मुद्दों पर उनकी सक्रियता ने उन्हें क्षेत्र की एक प्रभावशाली आवाज के रूप में स्थापित किया है। वे केवल समस्याएं उठाने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनके समाधान के लिए प्रशासन के साथ निरंतर संवाद कर ठोस पहल भी करते हैं। ग्रामीणों और शहरवासियों का कहना है कि गंगवाल ने बिना किसी भेदभाव के महिलाओं, युवाओं, किसानों और व्यापारियों सहित सभी वर्गों के लिए समान रूप से कार्य किया है। उनकी यही कार्यशैली उन्हें ''जन-जन की सोच'' के रूप में पहचान दिला रही है। आज जब समाज पारदर्शिता और वास्तविक विकास की अपेक्षा कर रहा है, तब मनोज गंगवाल एक सकारात्मक परिवर्तन के प्रतीक के रूप में सामने आए हैं। उनकी बढ़ती लोकप्रियता इस बात का संकेत है कि जनता सच्ची सेवा और ईमानदारी को महत्व देती है। लेख के अंत में लोगों के बीच एक संदेश गूंज रहा है— ''पद नहीं, पर सेवा बड़ी—मनोज गंगवाल की यही पहचान खड़ी।'' यही भावना नावा क्षेत्र में नई सोच और विकास की दिशा तय कर रही है, जहां नागरिक भी अपने क्षेत्र के उत्थान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित हो रहे हैं।